

---

shrIgaruDasya dvAdashanAma stotram

श्रीगरुडस्य द्वादशनाम स्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : garuDadvAdashanAmastotram

File name : garuDadvAdashanAmastotram.itx

Category : deities\_misc, vishhnu, dvAdasha, vishnu

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Prakash Ketkar

Proofread by : Prakash Ketkar

Description/comments : Brihadtantrasara

Latest update : November 2, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

## श्रीगरुडस्य द्वादशनाम स्तोत्रम्



सुपर्णं वैनतेयं च नागारि नागभीषणम् ।  
जितान्तकं विषारि च अजितं विश्वरूपिणम् ।  
गरुत्मन्तं खगश्रेष्ठं तार्क्ष्यं कश्यपनन्दनम् ॥ १ ॥

द्वादशैतानि नामानि गरुडस्य महात्मनः ।  
यः पठेत् प्रातरुत्थाय स्नाने वा शयनेऽपि वा ॥ २ ॥

विषं नाक्रामते तस्य न च हिंसन्ति हिंसकाः ।  
सङ्ग्रामे व्यवहारे च विजयस्तस्य जायते ।  
बन्धनान्मुक्तिमाप्नोति यात्रायां सिद्धिरेव च ॥ ३ ॥

॥ इति बृहद्भूतत्रसारे श्रीगरुडस्य द्वादशनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

महात्मा गरुडजीके बारह नाम इसप्रकार हैं- १) सुपर्ण (सुन्दर पंखवाले) २) वैनतेय (विनताके पुत्र) ३) नागारि (नागोंके शत्रु) ४) नागभीषण (नागोंकेलिये भयंकर) ५) जितान्तक (कालको भी जीतनेवाले) ६) विषारि (विषके शत्रु) ७) अजित (अपराजेय) ८) विश्वरूपी (सर्वस्वरूप) ९) गरुत्मान् (अतिशय पराक्रमसम्पन्न) १०) खगश्रेष्ठ (पक्षियोंमें सर्वश्रेष्ठ) ११) तार्क्ष्य (गरुड) १२) कश्यपनन्दन (महर्षि कश्यपके पुत्र) इन बारह नामोंका जो नित्य प्रातःकाल उठकर स्नानके समय या सोते समय पाठ करता है, उसपर किसी भी प्रकारके विषका प्रभाव नहीं पडता, उसे कोई हिंसक प्राणी मार नहीं सकता, युद्धमें तथा व्यवहारमें उसे विजय प्राप्त होती है, वह बन्धनसे मुक्ति प्राप्त कर लेता है और उसे यात्रामें सिद्धि मिलती है ।

कल्याण वर्ष ८४ संख्या ६ जून २०१०


Shri Garudasya Dvadashanam Stotram is in Sanskrit. It is from

Bruhat-Tantrasar. If anybody reads/listen or recite this stotra at the time of bath or while going to sleep; he never has a fear from poison, poisonous animals, creatures and he also becomes free if he is in somebody's custody. Garud has a very special importance for us. Garuda is a vehicle of God Vishnu. Garuda asked so many questions to God Vishnu regarding life of a the person after death and hence we came to know about our pitru and pitru lok. It results in Garud Purana coming into existence.

---

——  
*shrIgaruDasya dvAdashanAma stotram*

pdf was typeset on February 2, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

